वी.यू– आईसीएआर प्रायोजित 10 दिवसीय अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह संपन्न

जबलपुर, दिनांक 12.02.2026 को नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय के पशु रोग विज्ञान विभाग द्वारा 3 फरवरी से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित आईसीएआर प्रायोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

इस 10 दिवसीय अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसका विषय "**अप्रेजल आफ फिश हेल्थ विथ फोकस ओंन अंडरस्टैंडिंग जूनोसिस एसोसिएटेड विथ एक्वाकल्चर**" रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.एस. तोमर रहे, विशिष्ट अतिथि संचालक विस्तार शिक्षा डॉ सुनील नायक रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. तोमर ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ज्ञान एवं कौशल उन्नयन के साथ–साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने मत्स्य रोग और उनके निवारण हेतु इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को उत्तम बताया और कहा कि आज एक्वाकल्चर में भारत दूसरे स्थान पर है। रोग नियंत्रण अच्छे स्वास्थ्य से मछलियों की पैदावार और बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने आईसीएआर के सतत प्रयासों की सराहना करते हुए प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वे

अर्जित ज्ञान का उपयोग अपने–अपने कार्यक्षेत्र में नवाचार एवं विकास के लिए करें।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील नायक ने कहा कि इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों द्वारा नवीनतम तकनीकों, अनुसंधान उपलब्धियों एवं व्यवहारिक पक्षों पर व्याख्यान एवं प्रायोगिक सत्र से प्रतिभागी निःसंदेह लाभान्वित हुए हैं और वह आगे जाकर इसे अपने शैक्षणिक विकास में अपना सकेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. यामिनी वर्मा ने 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान लिए गए 15 व्याख्यान, 15 प्रायोगिक कार्य एवं प्रतिभागियों को दी गई हैंड्स ओंन ट्रेंनिंग के बारे में पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से साझा किया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को मछली स्वास्थ्य प्रबंधन, जलीय कृषि से संबंधित उभरती हुई जूनोटिक बीमारियों, तथा उन्नत निदान तकनीकों के क्षेत्र में अद्यतन ज्ञान एवं तकनीकी दक्षता प्रदान करना था। कार्यक्रम में देश के विभिन्न संस्थानों से आए कुल 23 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठित संस्थानों से आमंत्रित 30 विशेषज्ञ व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान दिए गए तथा व्यावहारिक अनुभव साझा किए गए। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. मेघा बेडेकर, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआरदृसीआईएफई, मुंबई तथा डॉ. अनुज त्यागी, एसोसिएट प्रोफेसर, मत्स्य महाविद्यालय, दतिया शामिल रहे।

प्रशिक्षण की एक प्रमुख विशेषता 15 व्यवहारिक (हैंड्स–ऑन) प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन रहा, जो मत्स्य फार्मों एवं निदान प्रयोगशालाओं में संपन्न हुए। इन सत्रों में आधुनिक निदान तकनीकों, रोग पहचान, नमूना प्रसंस्करण तथा जलीय कृषि प्रणालियों में प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन रणनीतियों पर विशेष जोर दिया गया।

प्रतिभागियों ने फीडबैक देते हुए इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

समापन अवसर के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. मधु स्वामी, प्रभारी अधिष्ठाता व अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. आदित्य मिश्रा, संचालक बायोटेक्नोलॉजी डॉ. मोहन सिंह, डॉ. अंजू नायक, प्रशिक्षण सह समन्वयक डॉ. अमिता दुबे, डॉ. अमिता तिवारी डॉ. असित जैन, डॉ.त्रिपाठी, डॉ सोना दुबे, प्रतिभागी गण, शोधार्थी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. पूनम शाक्य द्वारा किया गया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष जाटव ने प्रस्तुत किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.,जबलपुर